भारत सरकार

रेल मंत्रालय

लोक सभा

03.07.2019 के

तारांकित प्रश्न सं. 165 का उत्तर

रेलपथ का दोहरीकरण

***165. श्रीमती कनिमोझी करूणानिधी:**

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार ने 160 किलोमीटर लम्बे मुदुरै-वांचीमान्याची-तुतुकोडी रेलपथ के दोहरीकरण तथा उसकी क्षमता विस्तार हेतु अनुमोदन प्रदान किया है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा तथा वर्तमान स्थिति क्या है;

(ख) क्या उक्त परियोजना की प्रगति समय-सीमा के अनुरूप चल रही है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है तथा इस संबंध में आवंटित एवं उपयोग की गई धनराशि कितनी है;

(ग) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं तथा इस संबंध में लगने वाले अधिक समय एवं अधिक लागत का ब्यौरा क्या है; और

(घ) सरकार द्वारा इस परियोजना को बिना किसी देरी के पूरा करने हेतु इसके कार्य में तेजी लाने हेतु क्या प्रभावी उपाय किये जा रहे हैं?

उत्तर

रेल और वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री (श्री पीयूष गोयल)

(क) से (घ): एक विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

****

रेलपथ के दोहरीकरण के संबंध में दिनांक 03.07.2019 को लोक सभा में श्रीमती कनिमोझी करुणानिधि के तारांकित प्रश्न सं.165 के भाग (क) से (घ) के उत्तर से संबंधित विवरण।

(क) से (ग): जी हां। मदुरै-वांची मनियाची-तूतीकोरिन (160 कि.मी.) के विद्युतीकरण सहित दोहरीकरण संबंधी कार्य को 2015-16 के बजट में शामिल किया गया था और 1182.31 करोड़ रु. के विस्तृत अनुमान को अगस्त 2017 में स्वीकृत किया गया था तथा मार्च 2019 तक 341.83 करोड़ रु. का व्यय किया गया है और वर्ष 2019-20 के लिए 170 करोड़ रु. का परिव्यय मुहैया कराया गया है और समूचे खंड में जहां-कहीं भूमि उपलब्ध है, निर्माण कार्य शुरू कर दिया गया है तथा यह परियोजना अपने निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार प्रगति पर है।

(घ): परियोजनाओं को समय पर पूरा करना सुनिश्चित करने के लिए, परियोजनाओं के लिए निधि की बजटेतर संसाधनों (संस्थागत वित्तपोषण) के जरिए व्यवस्था की गई है। राज्य सरकार और संबंधित प्राधिकारियों के साथ आवश्यक समझे जाने पर नियमित रूप से बैठकें आयोजित की जाती हैं ताकि कार्य की प्रगति को प्रभावित करने वाले लंबित मामलों का समाधान किया जा सके और कार्यों के सुगम निष्पादन, उपयोगिता सेवाओं की शिफ्टिंग, अपेक्षित अनुमतियों आदि में उनकी सहायता ली जा सके।

****